□□□□□□□□ □□□□□□□

नई दल्लिी□ संसद गुरुवार को शर्मसार हो गई□ लोकतंत्र के कथति रखवालों ने ऐसा उत्पात मचाया कि सारा देश स्तब्ध रह गया□ तेलंगाना के गठन से जु□ वधियक का वरिोध करने के चक्कर में कुछ सांसदों ने संसदीय इतहिास में □क काला पन्ना जो□ दयिा□ कुछ सदस्यों के सदन में काली मरि्च का स्प्रे छि□ के जाने और माइक तो□ जाने की घटनाओं और हंगामे के बीच सरकार ने लोकसभा में आंध्र प्रदेश पुनर्गठन वधियक 2014 पेश होने का दावा कयिा□

बाद में भाजपा, सपा, बीजद, भाकपा और तृणमूल कांग्रेस के नेताओं ने लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार से कहा कि वे स्वीकार नहीं करते हैं कि तेलंगाना वधियक पेश हो गया है□ सदन में घोर अव्यवस्था फैलाने, नयिमों का उल्लंघन करने और जानबूझकर कार्यवाही में वघि्न डालने के आरोप में लोकसभा अध्यक्ष ने 17 सदस्यों को नयिम 374-□ के तहत नलिंबति कर दयिा□ नयिम 374-□ के तहत ये सदस्य अध्यक्ष के इस आदेश के बाद स्वत: लगातार पांच बैठकों या सत्र की शेष अवधि के लि□ नलिंबति माने जा□ंगे□ नलिंबति सदस्य पछिले कई सत्र से तेलंगाना पर सदन की कार्यवाही में बाधा डालते रहे हैं□ इनमें से वेणुगोपाल रेड्डी और राजगोपाल ने हद पार कर दी□

दोपहर 12 बजे कार्यवाही शुरू होने पर राजगोपाल ने कोई पदार्थ छि□का जसिसे पूरे सदन में अफरातफरी मच गई और कई लोग अस्वस्थ हु□□ वेणुगोपाल रेड्डी ने भी काफी उत्पात मचाया□ उन्होंने अध्यक्ष के आसन से तेलंगाना के कागजात छीनने के साथ लोकसभा महासचवि के माइक को तो□ डाला□ बारह बजे कार्यवाही शुरू होने से पहले ही तेलंगाना वरिोधी सांसदों ने लोकसभा में उत्पात मचाना शुरू कर दयिा□ मीरा कुमार अभी आसन पर बैठ भी नहीं पाई थीं कि तेलुगु देशम के वेणुगोपाल रेड्डी ने लोकसभा महासचवि की कुर्सी पर च□कर अध्यक्ष की मेज पर रखे तेलंगाना वधियक और अन्य कागजात छीनना शुरू कर दयिा और महासचवि के माइक को खींचकर तो□ डाला□ कांग्रेस से नष्किासति □ल राजगोपाल ने पेपरवेट उठाकर पत्रकार की मेज पर रखे □क बक्से को तो□ डाला जसिसे जोर का धमाका हुआ और उसके बाद अपनी जेब से कोई स्प्रे नकिालकर चारों ओर छि□कने लगे□ स्प्रे छि□कने से सदन में और दर्शक व पत्रकार दीर्घाओं में बैठे सभी लोगों की आंखों में जलन होने लगी और खांसी आने लगी□ कुछ सदस्य काफी असहज महसूस करने लगे जसिके बाद सदन में डाक्टर बुलाना प□ा□ कुछ सदस्यों को □ंबुलेंस से राम मनोहर लोहयिा अस्पताल ले जाया गया□

अफरातफरी के बीच गृह मंत्री सुशील कुमार शदिं ने तेलंगाना वधियक पेश कयिा□ भारी उत्पात और अफरातफरी में तेलंगाना वधियक कब पेश हुआ, इसका पता ही नहीं चला□ बाद में कानून मंत्री कपलि सबि्बल और संसदीय कार्य मंत्री कमलनाथ ने दावा कयिा कि वधियक पेश कर दयिा गया है□ अध्यक्ष ने तेलंगाना वधियक रखवाने की औपचारकिता पूरी करवाने के तुरंत बाद बैठक दो बजे तक के लि□ स्थगति कर दी□ बैठक स्थगति होने के बाद भी हंगामा जारी रहा और सदस्यों व वाच □ंड वार्ड के लोगों की ब□ी कोशशिों के बाद भी वेणुगोपाल रेड्डी और □ल राजगोपाल पर काबू पाना मुश्कलि हो रहा था□

सदन की कार्यवाही दो बजे शुरू होने पर व्यवस्था नहीं बनी और कार्यवाही 3 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। तीन बजे बैठक शुरू होने पर निलंबन के बावजूद उनमें से कई सदस्य सदन में पहुंच मार्शलों से उलझने लगे। कार्यवाही शुरू होने से पहले ही वेणुगोपाल रेड्डी आसन के पास आ गए और कांग्रेस सहित कई दलों के 10-12 सदस्य किसी अनहोनी को रोकने के लिए अग्रिम पंक्तियों के आगे तैनात रहे।

पीठासीन सभापति सतपाल महाराज के सदन में आते ही वेणुगोपाल फिर से लोकसभा महासचिव की कुर्सी की ओर बढ़ते देखे गए। दूसरे सदस्यों ने उन्हें ऐसा करने से रोक दिया। वे लोकसभा सचिवालय के एक अधिकारी को उठाकर उनकी कुर्सी पर बैठ गए और वहां रखे कागजात और हेडफोन उछालने लगे। मौके की नजाकत को देखते हुए सतपाल महाराज ने सदन की कार्यवाही सोमवार तक स्थगित कर दी।